रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज

(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की एक अंगीभूत इकाई)

AISHE-C-12846

1st Cycle Naac Accredited Grade - C with CGPA-1.79

चौकशिकारपुर, पटना सिटी, पटना-800009

Email : info@rmpcollegepatna.ac.in

Website : www.rpmcollegepatna.ac.in

Phone No. : 0612-2641451

प्रो० (डॉ०) पूनम

प्राचार्या

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज

चौकशिकारपुर, पटना सिटी

COLLEGE NEWS BULLETIN

प्रो० आर० के० सिंह

माननीय कुलपति

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना

वर्ष : 2024 | अंक : 5 | अक्टूबर-दिसम्बर, 2024 | मूल्य : निःशुल्क

VISION

The long term vision of our college is encapsulated in the following statement-

1. To be center of excellence in higher education with an innovative teaching, learning research activities to cater to the academic needs of the students by providing qualitative education making themself sufficient in life.
2. To provide modern education to promote academic excellence with an ethical dimension and inculcate values in the young girl students, enhancing their quality of life.
3. Our main moto is to educate enable and empower young women for promoting gender equality, social justice and enhancing their quality of life and transforming them into responsible citizen with a commitment towards serving humanity.

MISSION

1. To impart holistic quality education to girl students of unprivileged cross section of society, and empower them with knowledge, skill and competence and make them self-reliant and socially committed citizens of the country.
2. To create a learning ambience in the College, where research and scholarship flourishes.
3. To provide updated knowledge and skill to the girl students to enable them compete in this highly competitive globalized world.
4. To develop overall personality of the girl students to enable them face the fast changing times with dynamism and confidence.
5. To promote art and culture in the College by regularly organizing such events in the campus and by inviting famous experts to inspire the students.
6. To campaign against environmental pollution and to provide best possible protection to all the College members from all kinds of pollution in the campus.
7. The best possible ancient and modern tools and technique of teaching learning should be used to provide updated knowledge and skills, in the globalised world to the girl student of this college who comes from far flung and remote areas.
8. To enable the students to explore the locally available economic resources for their employment and providing support to the society.

पटना सिटी के चौकशिकारपुर स्थित आर०पी०एम० कॉलेज को दिनांक 07/12/ 2024 को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक से " सी " ग्रेड **CGPA 1.79** के साथ प्राप्त हुआ। महाविद्यालय में NAAC Peer Team का **Visit** दिनांक 26/11/2024 तथा 27/11/2024 को संपन्न हुआ था। नैक पीयर टीम में भारत के तीन प्रदेश से विद्वतगण आये थे। नैक पीयर टीम की चेयरपरसन–डॉ. विनित हुडा, हरियाणा से, मेम्बर कॉर्डिनेटर–डॉ. परेश जोशी गुजरात से एवं मेम्बर डॉ. पनडीयाराजन वलीमूथो, तमिलनाडू से आये थे। उन्होंने महाविद्यालय की व्यवस्था देख कर प्रसन्नता जाहिर किया तथा महाविद्यालय को विकास पथ पर अग्रसर होने के लिए बहुत सारे लिखित सुझाव भी दिये। महाविद्यालय का प्रथम बार नैक से ग्रेडिंग हुआ है। प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन से महाविद्यालय ने यह उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि का श्रेय प्राचार्या के साथ–साथ **IQAC Co-Ordinator** डॉ० रजिया नसरीन, **NAAC Co – Ordinator** डॉ० अंजू जैन और कॉलेज के समस्त शिक्षक–शिक्षकेत्तर कर्मी, छात्राओं के सामूहिक मेहनत का प्रतिफल रहा है। प्राचार्या ने बताया कि यदि महाविद्यालय को वित्तीय सहायता और संसाधन समय पर प्राप्त हो जाता तो कॉलेज को और भी अच्छी ग्रेडिंग प्राप्त होती। अभी ये एक केवल शुरुआत है आने वाले वर्षों में गुणवत्ता पूर्ण सुधार के अन्य पहलुओं पर कार्य किये जायेंगे। प्राचार्या ने आगे आने वाले दिनों में बेहतर सुविधाएँ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का वादा किया है जिससे महाविद्यालय को और भी अच्छी से अच्छी ग्रेडिंग मिल सके। महाविद्यालय की छात्राएँ तथा स्थानीय लोगों ने भी इस एतिहासिक सफलता पर गर्व प्रकट किया है तथा बधाईयाँ भी दी है।

महाविद्यालय की विशेषताएँ

- व्यवसायिक कोर्स BBA, BCA एवं BLIS की पढ़ाई
- नियमित वर्ग संचालन
- स्मार्टबोर्ड युक्त कक्षाएँ
- प्रबुद्ध शिक्षकगण
- एकेडमिक कलैन्डर
- ऑनलाइन नामांकन
- ऑनलाइन परीक्षा संबंधी कार्य
- ओटोमेटेड लाइब्रेरी
- आधुनिक सुसज्जित विज्ञान प्रायोगशाला
- ड्रेस कोड
- सोलर ऊर्जा
- रेनवाटर हारवेस्टिग प्लांट
- E-वेस्ट मेनेजमेंट
- नियमित एन. एस. एस. सक्रियता
- अनुशासित कार्यालय संपादन
- डाइनेमिक वेबसाइट
- नियमित खेलकूद सक्रियता
- नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन
- रैम्प की सुविधा
- पूछताछ काउन्टर
- नियमित कैरियर काउन्सिलिंग
- न्यूज बुलेटिन का नियमित प्रकाशन
- Wi-fi कैम्पस
- सी.सी.टी.वी कैमरा
- पीयर टिचिंग सेल
- हेल्थ सेन्टर
- कैंटीन
- ग्रीन आर्मी
- निःशुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग
- निःशुल्क योगा ट्रेनिंग
- निःशुल्क हेल्थ चेक-अप
- निःशुल्क जूडो/कराटे ट्रेनिंग
- निःशुल्क आपदा प्रबंधन ट्रेनिंग
- नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी का स्टडी सेंटर
- छात्र दरबार
- हर्बल गार्डेन
- एंटी रैगिंग सेल

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय
पटना सिटी
तमसो मा ज्योतिर्गमय

संरक्षक
प्रो० (डॉ०) पूनम
प्राचार्या

संपादक
डॉ० रजिया नसरीन
अध्यक्ष, गृह विज्ञान विभाग

सह संपादक
डॉ० अंजु जैन
अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग

संपादक मंडल
डॉ० प्रीति कुमारी
असि० प्रो०, प्राचीन इतिहास एवं एशियाई अध्ययन

डॉ० प्रकाश दास
असि० प्रो०, दर्शनशास्त्र

डॉ० मीनु मिंज
अतिथि व्याख्याता, समाजशास्त्र विभाग

डॉ० ईना बहन
अतिथि व्याख्याता, भौतिकी विभाग

प्राचार्य की कलम से.....

देश के विकास में आधी आबादी यानी महिलाओं की अहम भूमिका रही है। महिलाओं को शक्तिशाली बनाने में, शिक्षा का महत्त्वपूर्ण योगदान है। रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज नारी शिक्षा के क्षे ा में अपनी अहम भूमिका निभाता रहा है। पूर्वी पटना का यह एक महत्त्वपूर्ण महिला कॉलेज है जहाँ बख्तियारपुर तक से छात्रा प .ने आती है। यह महाविद्यालय पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय का एक अंगीभूत इकाई है तथा पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में अपना एक अहम स्थान रखता है। महाविद्यालय अपनी स्थापना के उपरांत लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है तथा अपनी परिधि को बढ़ाता जा रहा है, जिनके लिए पारंपरिक पाठ्यक्रमों के अलावे अनेक व्यावसायिक एवं सर्टिपि केट पाठ्यक्रम महाविद्यालय द्वारा संचालित किये जा रहे हैं।

महाविद्यालय 18 विषयों में इंटर से स्नातकोत्तर स्तर तक कला एवं विज्ञान के अध्ययन अध्यापन का मंच प्रदान करता है। यहाँ BBA, BCA एवं BLIS व्यावसायिक कोर्स की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध है। नालन्दा ऑपने विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी महाविद्यालय में है जिससे पूर्वी पटना के छात्र-छात्रओं को लगभग 100 विषयों में Distance Education mode में अध्ययन करने की सुविधा मिल रही है। वर्तमान समय में महाविद्यालय में 28 शिक्षक/शिक्षिकाएँ एवं 20 स्थायी एवं आउटसोर्सिंग शिक्षिकेतर कर्मचारीगण कार्यरत है।

11 सितम्बर 2023 को दूसरी बार रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज में प्राचार्यो के रूप में मैंने यहाँ का कार्यभार ग्रहण किया। महाविद्यालय में योगदान के उपरांत महाविद्यालय का तेजी से विकास करने का मैंने दृढ़ संकल्प लिया और इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया।

तेजी से विकास के लिए समुचित सिस्टम को विकसित करने बुनियादी सुविधाओं को अविलंब बहाल करने, शैक्षणिक वातावरण को मजबूत करने एवं अनुशासन इत्यादि पर सर्वाधिक बल दिया परिणामस्वरूप महाविद्यालय के न सिर्फ भौतिक स्वरूप में बदलाव आने लगा बल्कि लगातार विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य कार्यक्रमों के सफल संचालन एवं आयोजन के कारण छात्राओं एवं शिक्षकों का उत्साहवर्द्धन हुआ एवं महाविद्यालय न सिर्फ पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में बल्कि पूरे राज्य में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाता जा रहा है। मुझे यह लिखते हुए खुशी एवं गर्व महसूस हो रहा कि कठिन मेहनत एवं सतत प्रयास से दिसम्बर 2024 में महाविद्यालय का नैक से प्रत्यायन भी हो गया है। जिसमें सीमित साधनों एवं बहुत कम शिक्षक रहते हुए महाविद्यालय ने नैक से 'C' ग्रेड CGPA-1.79 प्राप्त किया। महाविद्यालय को विकास के स्वर्णिम ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए मैं संकल्पित हूँ। महाविद्यालय में साधन सीमित है, ढेरों बाधाएँ है लेकिन आगे बढ़ते जाना ही ध्येय है, क्योंकि **'मंजिलें उन्हें मिलीं जिनके सपनों में जान है, पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान है।'**

प्रो० (डॉ०) पूनम
प्राचार्या

महाविद्यालय के पदाधिकारीगण

Dr. Kiran Kumari
Nodal Officer

Dr. Razia Nasrin
IQAC Co-ordinator

Dr. Anju Jain
Bursar cum
NAAC Co-ordinator

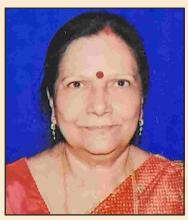

Dr. Sushma
Proctor

Dr. Ena Bahan
Sports Inchrge

Dr. Jayanti Rani
NSS Program Officer

Academic & Extra Curricular Activities in Our College

Date	Programme	Organizing Department
7.10.2024	छात्र दरबार	IQAC
17.10.2024	कैन्टीन सह युटिलिटी सेंटर का उद्घाटन	
19.10.2024	इण्टर महाविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता	स्पोर्ट्स विभाग
23.10.2024	पैरेन्ट्स टीचर मीटिंग	IQAC
26.10.2024	IQAC की बैठक	IQAC
16.11.2024	Pre-NAAC Accreditation Workshop	IQAC
17.11.2024	NAAC Mock Rehearsal	
20.11.2024	Workshop on E-library, E-Book N List	IQAC
21.11.2024	मतदान जागरूकता अभियान	ELC
21.11.2024	महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान	
07.12.2024	महाविद्यालय को NAAC से मिला 'C' Grade	

महाविद्यालय में छात्र दरबार का किया गया आयोजन

पटना सिटी स्थित आर० पी० एम० कॉलेज में दिनांक 07/10/2024 को महाविद्यालय में छात्र दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं और प्राचार्या के बीच विभिन्न मुद्दों पर वार्तालाप हुई। छात्राओं ने भी अपने सुझाव प्राचार्या के समक्ष रखा। कुछ छात्राओं ने शिक्षकों की प्रशंसा की तथा महाविद्यालय पहले से बेहतरीन है तथा कई सुविधाएँ भी प्राप्त हो रही है इसकी भी सराहना की। धन्यवाद ज्ञापन राजनीतिक विभाग की शिक्षिका डॉ० नीना के द्वारा दिया गया।

आर. पी. एम. कॉलेज में कैंटीन सह यूटिलिटी सेंटर का किया गया उदघाटन

पटना सिटी स्थित आर० पी० एम० कॉलेज में दिनांक 17/10/2024 को कैंटीन सह यूटिलिटी सेंटर का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम के द्वारा किया गया। प्राचार्या ने बताया की कैंटीन सह यूटिलिटी सेंटर की स्थापना का उद्देश्य है शिक्षकों, छात्राओं तथा अन्य स्टाफ को ससमय नाश्ता और अन्य आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध हो सके। विशेष तौर पर छात्राओं को कॉलेज कैंपस में एक स्वच्छ, सुरक्षित, आरामदायक वातावरण में खाद्य और पेय पदार्थ उपलब्ध हो सकें, साथ ही स्टेशनरी आदि की भी सुविधाएँ छात्राओं को मिल सकें । इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मी तथा छात्राएँ उपस्थित रहें ।

इंटर महाविद्यालय टेबल – टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 19/10/2024 को इंटर महाविद्यालय टेबल–टेनिस प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के जे० डी० विमेंस कॉलेज, ए० एन० कॉलेज, तपेन्दू इंस्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडीज तथा आर० पी० एम० कॉलेज के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। खेल का उदघाटन अंतराष्ट्रीय वेट लिफ्टिंग विजेता रही श्रीमती दीपाली नंदी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतराष्ट्रीय टग ऑफ वॉर विजेता नितिन राठौड़ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम के द्वारा किया गया। खेल के दुसरे सत्र में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ० गणेश महतो रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या ने सभी छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए पहली सीढ़ी महाविद्यालय का कैंपस है। खेल से ही व्यक्ति में अनुशासन और सहयोग की भावना पैदा होती है। लड़कों के श्रेणी में टीम विजेता विनर ताइपेन्दू इंस्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडीज तथा रनर ए० एन० कॉलेज रही लड़कियों की श्रेणी में टीम विजेता जे० डी० विमेंस कॉलेज तथा रनर आर० पी० एम० कॉलेज रहा। कार्यक्रम का आयोजन क्रीड़ा प्रभारी डॉ० ईना बहन, डॉ० सीमा, डॉ० सत्येन्द्र शर्मा, डॉ० अमोल कुमार, डॉ० दशरथ कुमार मंडल ने किया था। मंच का संचालन डॉ० रविन्द्र कुमार के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का समापन पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ० गणेश महतो के करकमलों से प्रतिभागियों को कप, मेंडल तथा सर्टिफिकेट वितरित करके किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ० अमोल के द्वारा दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक–शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित रहे ।

आर. पी. एम. कॉलेज में पेरेन्ट्स टीचर मीटिंग का हुआ आयोजन

आर० पी० एम० कॉलेज में दिनांक 23/10/2024 को शिक्षक तथा अभिभावकों के बीच बैठक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विधार्थियों की शैक्षणिक प्रगति तथा उनके समग्र विकास के लिए अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम के द्वारा किया गया। प्राचार्या ने सभी अभिभावकों का स्वागत किया तथा छात्राओं को मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं से जैसे – निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण, जुडो– कराटे, हेल्थ चेकअप, आपदा प्रबंधन, जिम, कत्थक नृत्य, पेंटिंग इत्यादि के बारे में चर्चा की। प्राचार्या ने कहा कि छात्राओं की सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावकों तथा शिक्षकों का संयुक्त प्रयास अति आवश्यक है। अभिभावकों से अनुरोध भी किया गया कि अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें तथा उन्हें सकारात्मक माहौल दे, जिससे वे और अधिक अच्छा प्रदर्शन कर सके। कार्यक्रम का संचालन डॉ० रजिया नसरीन के द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ० अंजू जैन के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

IQAC की बैठक का आयोजन

NAAC से प्रत्यापन के लिए दिनांक 26.10.2024 को **IQAC** के सदस्यों के साथ बैठक की गई। बैठक में महाविद्यालय के विकास हेतु विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। **IQAC** के सदस्य डॉ अजय प्रकाश, अलमुनाई एसोसियेशन की प्रसिडेंट सरोज जयसवाल, **IQAC** समन्वयक डॉ रजिया नसरीन, **NAAC** समन्वयक डॉ अंजू जैन, डॉ नागेन्द्र मिश्रा, छात्र प्रतिनिधि रेहाना आदि बैठक में उपस्थित रहे। प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने बैठक की अध्यक्षता की।

R.P.M. College में Pre NAAC Accreditation Workshop का आयोजन

पटना सिटी में स्थित आर० पी० एम० कॉलेज में दिनांक 16/11/2024 को **NAAC** के **Accreditation** हेतु **Pre NAAC Accreditation Workshop** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में दिनांक 26/11/2024 तथा 27/11/2024 को **NAAC Peer Team Visit** होने वाली है। इसके आगमन के पूर्व तैयारी हेतु एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के अतिथि **State NAAC Co–Ordinator Dr. N.K. Agarwal** एवं **Magadh University** के **NAAC Advisor** डॉ अरुण कुमार रहे। इनके द्वारा कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा भी की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम के द्वारा **PPT** के माध्यम से महाविद्यालय के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही **IQAC Co-Ordinator** डॉ० रजिया नसरीन एवं एन०एस०एस० पदाधिकारी डॉ० जयंती रानी ने भी **PPT** के माध्यम से अपने विषयों पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम का संचालन डॉ० प्रकाश दास (दर्शनशास्त्र विभाग) तथा धन्यवाद ज्ञापन **NAAC Co – Ordinator** डॉ० अंजू जैन के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षकेत्तर कर्मी तथा छात्रायें उपस्थित रही।

NAAC MOCK रिहर्सल

महाविद्यालय में **NAAC** की टीम 26 एवं 27 नवम्बर को आने वाली है। **NAAC** से अच्छे ग्रेडिंग कराने हेतु **NAAC MOCK** रिहर्सल का दिनांक 17.11.2024 को आयोजन किया गया। **BSUSC** की सदस्य डॉ उषा प्रसाद एवं सचिव सह प्राचार्य बिहार एक्यूप्रेशर योगा कॉलेज, डॉ अजय प्रकाश अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने **NAAC** की तैयारी का विस्तार से चर्चा की। प्रातः 9 बजे से संध्या 5:00 बजे तक **NAAC** के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

E-Book, E-Library एवं N-List पर वर्कशॉप

छात्राओं के बीच पुस्तकालय के विभिन्न आयाम विषय में अधिक से अधिक जानकारी देने हेतु महाविद्यालय प्रांगण में ओपेन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में छात्राएँ E – Book, E – Library एवं N – List का कैसे उपयोग करेगी, इस विषय में विस्तार से बताया गया। प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने बताया कि इस तरह से वर्कशॉप करके छात्राओं को आधुनिक तरीके से पुस्तकालय के उपयोग करने के विषय में जागरूक करना है। कार्यक्रम में महाविद्यालय कुलानुशासक डॉ सुषमा एवं अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे। श्वेता, अलका, जूली, सृष्टी आदि छात्राओं के द्वारा बढ़ चढ़ कर वर्कशॉप में भाग लिया गया ।

मतदान जागरूकता अभियान का आयोजन

दिनांक 21/11/2024 को मतदान जागरूकता अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय में एक वर्कशॉप "मतदान हमारा अधिकार" कार्यक्रम का आयोजन अनुमंडल पदाधिकारी पटना सिटी एवं आर० पी० एम० कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पटना सिटी के Sub-Election Officer निखिल कुमार भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में निर्वाचन नियमावली में नाम को सम्मिलित करने के लिए छात्राओं को फॉर्म दिया गया। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया साथ ही सभी शिक्षक–शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित रहे।

महिला स्वास्थय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन (उड़ान)

महाविद्यालय में दिनांक 21/11/2024 को दैनिक जागरण के सौजन्य से उड़ान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिला स्वास्थय जागरूकता एवं कैरियर विकास पर प्रबल जोर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम के द्वारा किया गया। प्राचार्या ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि मासिक धर्म के दौरान भी छात्राओं को अपना कार्य नियमित रूप से करना चाहिए तथा इसे कभी भी लक्ष्य की प्राप्ति में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। इस अवधि के दौरान छात्राएँ सर्वप्रथम सफाई पर विशेष रूप से ध्यान दें जिससे इन्फेक्शन से बचा जा सके। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ० स्वपना ने मासिक धर्म के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्या तथा उनका समाधान के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक छात्राओं को स्टेफ्री वितरित किया।

छात्राओं की कमल से.....

रामधारी सिंह दिनकर जयंती

रामधारी सिंह दिनकर एक क्रांतिकारी कवि रहे है। उन्होंने साहित्य में अपना योगदान उस समय दिया जब देश में आजादी की लड़ाई चरम पर थी उस परिस्थिति में दिनकर ने अपनी रचना युवाओं में जोश भरने का कार्य किया। अपनी रचना अर्द्धनारीश्वर द्वारा समाज में नारी की महत्ता को प्रतिस्थापित किया।

कविता कुमारी
बी.ए.पार्ट–3, क्रमांक–09

आस्था का महापर्व छठ पूजा

छठ पूजा हिंदू का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो विशेष रूप से बिहार और झारखंड राज्य में मानाया जाता है। यह पर्व सूर्य देवता और छठी मैया को समर्पित है। भक्त इस दिन उपवास रखते है और पवित्र नदी में स्थान करते है। छठ पूजा चार दिनों तक चलने वाला त्योहार है। छठ पूजा का महा प्रसाद ठेकुआ होता है। पहले दिन को नहाय–खाय कहते है, जिसमें श्रद्धालु विशेष भोजन बनाते है। दूसरे दिन को खरना कहां जाता है। जब भक्त दिनभर उपवास रखकर रात को खीर और रोटी को प्रसाद के रूप में ग्रहन करते है। तीसरे दिन मुख्य पूजा होती है, जिसमें व्रति सूर्योदय से पहले नदी किनारे जाकर अस्त होते हुए सूर्य देवता को अर्ध्य अर्पित करते है। अंत में चौथे दिन को पारण कहते है, जब उपवासी अपना उपवास तोड़ने से पहले उगते हुए सूर्य को अर्ध्य देते है। उसके बाद अपना उपवास तोड़ते है इस दौरान परिवार और समाज के लोग एक साथ मिलकर पूजा करते है। जिससे भाईचारे और एकता का संदेश मिलता है।

ज्योति राज
बी.ए.पार्ट–3, क्रमांक–311

Meaning of Life

The Meaning of Life has no definition it is never the same. How its different takes it unique for every living soul. Meaning of life is like a tree filled with leaves. Some leaves fall and other don't like the million of stars stack in space waiting to be discovered, like fire can cause war or peace, like money used and wasted abused and hated, loved and wanted. But is there a meaning to it's there a meaning to your life? I dont know, you decide.

Alka Rani
BLIS, Roll No.-11

हिन्दी की कहानी

भारत माँ के मस्तक पर सबसे चमकीली बिंदी है,
मैं सब की जानी पहचानी भारत की भाषा हिन्दी है।
मेरी बोली में मीर ने मनमोहक काव्य सुनाया है।
कवि सूरदास के गीतों में कम मान न पाया है।
तुलसीदकृत रामचरितमानस मेरे मुख में चरितार्थ हुई,
विद्वानों संतो की वाणी गुंधित हुई साकार हुई,
भारत की जितनी भाषाएं सब मेरी सखी सहेली है,
हम आपस में क्यों टकराए हम बहने भोली भाली है।
सब भाषाओं के शब्दों को मैनें गले लगाया है।
इसलिए भारत के जन–मन ने मुझे अपनाया है।

करिश्मा कुमारी
बी.ए.पार्ट–3, क्रमांक–342

हिन्दी में दिनकर जी का योगदान

जो अगणित लघु दीप हमारे, तूफानों में एक किनारे
जल जलाकर बूझ गए किसी दिन, मांगा नहीं मूंह खोज
कलम आज उनकी जय बोल।

दिनकर की ये कविता का प्रमुख अंग आज हमें उस महान कवि रामधारी सिंह दिनकर की याद दिलाता है। जिनकी कलम ने हमेशा राष्ट्रहित कर ख्याल रखा और हिन्दी भाषा और बिहार के महत्व को दुनिया को बताया। रामधारी सिंह दिनकर हिन्दी के एक महान कवि, लेखक और निबंधकार थे। उनका जन्म 23वां सितम्बर 1908 ई. को सिमरिया मुंगेर (बेगूसराय) बिहार में हुआ था। पटना विश्वविद्यालय से बी.ए. की परीक्षा उतीर्ण करने के बाद एक विद्यालय में अध्यापक बन गए। वे आधुनिक युग के श्रेष्ठ वीररस के कवि के रूप में स्थापित हुए और स्वतंत्रता के बाद एक राष्ट्रकवि के रूप के नाम से जाने गए। वे छायावादोत्तर कवियों की पहली पीढ़ी के कवि थे। दिनकर को उनकी रचनाओं के लिए अनेक सम्मानों से सम्मानित किया गया था। दिनकर जी द्वारा रची गई काव्य रचना और गध में एक अलौकिक रूप देखने को मिलता है। उनकी छायावादिता और राष्ट्रहित की कृतियां बहुत लोकप्रिय थे और अपनी मातृभूति से प्रेम करने वाले के प्रतीक थे। भूषण के बाद दिनकर जी की वीर रख का सर्वश्रेष्ठ कवि माना जाता है। बिहार के इस लाल ने 24 अप्रैल 1974 को अंतिम सांसे ली। इन्होंने बिहार और बिहारी पहचान को शीर्ष तक पहुँचाने का काम किया। दिनकर हमेशा हमारे दिलों में अपनी कृतियों के माध्यम को जिंदा रहेंगे।

प्रतिभा कुमारी
एम.ए. फर्स्ट सेमेस्टर,
क्रमांक–14

Wasn't it a while ago?

Wasn't it a while ago?
When we emitted those fake cries,
For the small cuts.
Wasn't it a while ago?
When we told those fictitious graveyard stories
Of our school playground.
Where are those days,
When we sat there giggling and gossiping.
Making everyone listen to my endless blabbers?
And they listened to it with a cheerful smile on their gorgeous faces.
But now when I turn back to those people,
And their cheerful smiles replaced by an emotionless face,
I question to myself,
Wasn't it a while ago?
When we sat in the class,
Talking every time the teacher turned to the board.
Wasn't it a while ago?
When we used those code languages
For our forever favourite dramas to be held.
But now when I look at them,
I just see some matured and depressed teens
Forcing them to study
Thinking it's the only way to face the society.
Where did that time fly?
When we did not use to think
What others will say?
And holding hands with each other,
We continued to be who we are.
But now thinking of those days
Hundreds of question sails around my mind.
Is it me who changed?
Can it be fixed?
Why did they change?
Thinking for hours and hours
And always without any answer
Again, with a heavy heart carried
I keep questioning myself,
Wasn't it a while ago?

Divyanshi Singh
B.A. Part 3
Roll No.-387, English Hons

खबरों में कॉलेज

आरपीएम कॉलेज में कैंटीन सह उपयोगिता केंद्र खुला

पटना। आरपीएम कॉलेज में कैंटीन सह उपयोगिता केन्द्र का उद्घाटन गुरुवार को हुआ। इस केन्द्र का कॉलेज के प्राचार्या प्रो. डॉ. पूनम ने फीता काटकर का उद्घाटन किया। मौके पर कॉलेज के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया। प्राचार्य ने कहा कि कैंटीन सह उपयोगिता केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य शिक्षकों, छात्राओं और कर्मियों को नाश्ता और अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान करना है। इसके तहत कॉलेज कैंपस में एक स्वच्छ, सुरक्षित और आरामदायक वातावरण में खाद्य और पेय पदार्थ उपलब्ध होंगे।

इंटर कालेज टेबल टेनिस में जेडी वीमेंस की टीम बनी विजेता

इंटर कालेज टेबल टेनिस खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करती प्राचार्या ● जागरण

जागरण संवाददाता, पटना सिटी : चौकशिकारपुर स्थित रामेश्वर दास पन्ना लाल महिला महाविद्यालय में शनिवार को इंटर कालेज टेबल टेनिस प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय से जुड़े जेडी वीमेंस कालेज, एएन कालेज, ताइपेंदु इंस्टीट्यूट आफ हायर स्टडीज, आरपीएम कालेज के विद्यार्थी शामिल हुए। विद्यालय की प्राचार्या प्रो. डा. पूनम की देखरेख में हुई प्रतियोगिता का उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग विजेता दीपाली नंदी ने किया। अंतरराष्ट्रीय टग आफ वार विजेता नितिन राठौड़ ने खेल के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करने और सरकार की ओर से मेडल लाओ नौकरी पाओ के संकल्प पर कार्य करने को प्रेरित किया। संचालन डा. रविंद्र कुमार ने किया। खेल प्रभारी डा. ईना बहन के साथ डा. सीमा, डा. सत्येंद्र कुमार, डा. अमोल कुमार व डा. दशरथ मंडल प्रतियोगिता को सफल बनाने में जुटे रहे। प्रतियोगिता के विजेता को पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डा. गणेश महतो ने पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में लड़कों के श्रेणी में टीम विजेता ताइपेंदु इंस्टिट्यूट आफ हायर एजुकेशन व रनर एएन कालेज रहा। लड़कियों की श्रेणी में टीम विजेता जेडी वीमेंस कालेज व रनर आरपीएम कालेज रहा। एकल वर्ग में बालक वर्ग से अंकित कुमार, रनर शुभम, सुप्रिया राय मिथेन कुमार, प्रशांत कुमार, रौशन राज, बालिका वर्ग में एकल विजेता आंचल कुमारी, रनर अदिति कुमारी निक्की कुमारी, रिहाना राय, नेहा कुमारी थी।

टेबल टेनिस प्रतियोगिता का हुआ आयोजन महाविद्यालय में

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

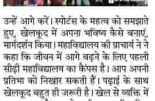

पटनासिटी। आर.पी.एम. महाविद्यालय में इंटर महाविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के निम्नलिखित महाविद्यालय जे.डी.विमेंस कॉलेज, ए.एन.कॉलेज, ताइपेंदु इंस्टीट्यू ऑफ हॉयर स्ट्डीज, आर. पी. एम.कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। खेल का उद्घाटन दीपाली नंदी (अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग विजेता) के द्वारा किया गया। तथा मुख्य अतिथि के तौर पर नितिन राठौड़ (अंतरराष्ट्रीय टग ऑफ बार विजेता) शामिल रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ) पूनम ने की। अपने संबोधन में कार्यक्रम की उद्घाटन कर्ता दीपाली नंदी ने कहा कि खेलकूद में भाग लेने के लिए बच्चों को बिहार सरकार प्राथमिकता दे रही है कारण की सरकार का नारा है "मैडल लाओ और नौकरी पाओ"। छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नितीन राठौड़ ने कहा कि यह बहुत दुख की बात है कि हमारा बिहार राज्य स्पोर्ट्स में बहुत पीछे है, हम सभी का दायित्व है कि बच्चों को प्रोत्साहित करें एवं स्पोट्र्स में आगे करें। स्पोट्र्स के महत्व को समझाते हुए, खेल कूद में अपना भविष्य कैसे बनाए, मार्गदर्शन करें । महाविद्यालय की प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए पहली सीढ़ी महाविद्यालय का कैंपस है ।आप अपनी प्रतिभा को निखर सकती है। पढ़ाई के साथ खेल कूद बहुत ही जरूरी है। खेल से व्यक्ति में अनुशासन और सहयोग की भावना विकसित होती है। जीवन में स्वस्थ और एक्टिव रहने के लिए खेलना जरूरी है उन्होंने छात्राओं को दिल से खेलने की अपील की। पूरे कार्यक्रम का आयोजन क्रीड़ा प्रभारी डॉ. ईना बहन एवं उनकी टीम डॉ.सीमा, डॉ. सत्येंद्र कुमार, डॉ.अमोल कुमार, डॉ दशरथ मंडल ने किया। मंच संचालन डॉ रविंद्र कुमार ने किया। खेल के दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पे पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. गणेश महतो उपस्थित रहे तथा अपने संबोधन में कहा कि खेल के लिए खेल विश्वविद्यालय का निर्माण किया गया है जहां बच्चे खेल के माध्यम से जीवन में सफलता हासिल कर सकते और अनुशासन शील हो सकते है। जीवन में अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण है और ये अनुशासन खेल से ही प्राप्त किया जा सकता है।। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच कड़ा और रोमांचक मुकाबला हुआ तथा लड़कों के श्रेणी में टीम विजेता विनर ताइपेंदु इंस्टिट्यूट ऑफ हॉयर एजुकेशन तथा रनर ए.एन.कॉलेज रहा। लड़कियों के श्रेणी में टीम विजेता जे. डी. विमेंस कॉलेज तथा रनर आर.पी. एम. कॉलेज रहा। लड़कों की श्रेणी में एकल विजेता अंकित कुमार (ताइपेंदु इंस्टिट्यूट ऑफ हॉयर एजुकेशन) तथा रनर शुभम सुप्रियो रॉय (ताइपेंदु इंस्टिट्यूट ऑफ हॉयर एजुकेशन), तृतीय स्थान मिथेन कुमार, चतुर्थ स्थान प्रशांत कुमार, पंचम स्थान रोशन राज। लड़कियों की श्रेणी में एकल विजेता आंचल कुमारी, रनर अदिति कुमारी, तृतीय स्थान निक्की कुमारी, चतुर्थ स्थान रिहाना रॉय, पंचम स्थान नेहा कुमारी।इस प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. गणेश महतो के द्वारा प्रतिभागियों के बीच कप, मैडल एवं सर्टिफिकेट वितरित कर किया गया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमोल जी के द्वारा किया गया।इस मौके पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण और शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्रों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों को अभिभावकों का सहयोग जरूरी : पूनम

आरपीएम महिला कॉलेज में अभिभावकों ने दिये अनेक सुझाव

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आरपीएम कॉलेज में बुधवार को शिक्षकों और अभिभावकों के बीच बैठक का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा करना और उनके समग्र विकास के लिए अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ रजिया नसरीन के द्वारा किया गया। अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने की। उन्होंने अभिभावकों का स्वागत करते हुए उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। प्राचार्या ने कहा कि छात्राओं को मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं जैसे निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण, जूडो कराटे, हेल्थ चेकअप, आपदा प्रबंधन, जिम, कथक नृत्य एवं पेंटिंग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सफलता में अभिभावकों और शिक्षकों का संयुक्त प्रयास बेहद जरूरी है। शिक्षकों ने इस दौरान छात्राओं की क्लास में उपस्थिति, उनका परीक्षा परिणाम और अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें और उन्हें सकारात्मक माहौल प्रदान करें, ताकि वे अच्छा प्रदर्शन कर सकें। अभिभावकों ने भी अपनी चिंताओं और सुझावों को शिक्षकों के साथ साझा किया। आनेक अभिभावकों ने छात्राओं के प्रगति के लिए कॉलेज द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की और सहयोग का वादा किया। इस अवसर पर धर्मेंद्र कुमार, सुरेश प्रसाद, अभय कुमार राय, शिवजी पांडेय, नीतु देवी, जितेंद्र मिश्रा आदि अभिभावकों ने अपने विचार साझा किए। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि ऐसी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी, ताकि छात्राओं के शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास पर निरंतर ध्यान दिया जा सके।कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डॉ अंजू जैन के द्वारा किया गया।इयोजन में महाविद्यालय के शिक्षकगण भी मौजूद रहे।

आरपीएम कॉलेज में कैंटीन सह उपयोगिता केंद्र उद्घाटित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी।आरपीएम कॉलेज में कैंटीन सह यूटिलिटी सेंटर का उद्घाटन गुरुवार को किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने फीता काटकर नए केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर कॉलेज के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों ने भागीदारी निभाई। प्राचार्या ने कहा कि कैंटीन सह यूटिलिटी सेंटर की स्थापना का उद्देश्य शिक्षकों, छात्राओं और स्टाफ को नाश्ता और अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान करना है। इसके तहत कॉलेज कैंपस में एक स्वच्छ, सुरक्षित और आरामदायक वातावरण में खाद्य और पेय पदार्थ उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही, उपयोगिता केंद्र में छात्राओं के लिए विभिन्न आवश्यक वस्तुएं, स्टेशनरी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह केंद्र छात्राओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है, ताकि वे अपनी पढ़ाई और कॉलेज के अन्य कार्यों में बेहतर तरीके से ध्यान केंद्रित कर सकें।

इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे। महाविद्यालय में कैंटीन सह यूटिलिटी सेंटर खुलने से छात्राओं, शिक्षक तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों के बीच उत्सव का माहौल था।

शिक्षकों और अभिभावको के बीच हुआ बैठक का आयोजन

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। आरपीएम कॉलेज में शिक्षकों और अभिभावकों के बीच बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा करना और उनके समग्र विकास के लिए अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम का संचालन कोऑर्डिनेटर डॉ. रजिया नसरीन के द्वारा किया गया। बैठक की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने की। उन्होंने अभिभावकों का स्वागत करते हुए उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि छात्राओं को मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं जैसे निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण, जूडो कराटे, हेल्थ चेकअप, आपदा प्रबंधन, जिम, कथक-नृत्य एवं पेंटिंग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में अभिभावकों और शिक्षकों का संयुक्त प्रयास बेहद आवश्यक है। शिक्षकों ने इस दौरान विद्यार्थियों की कक्षाओं में उपस्थिति, उनकी परीक्षा परिणाम और अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अभिभावकों से यह अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें और उन्हें सकारात्मक माहौल प्रदान करें ताकि वे अच्छे प्रदर्शन कर सकें। अभिभावकों ने भी अपनी चिंताओं और सुझावों को शिक्षकों के साथ साझा किया। कई अभिभावकों ने विद्यार्थियों के प्रगति के लिए कॉलेज द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की और सहयोग का वादा किया। इस अवसर पर धर्मेंद्र कुमार, सुरेश प्रसाद, अभय कुमार राय, शिवजी पांडे, नीतू देवी, जितेंद्र मिश्रा आदि अभिभावकों ने अपने विचार साझा किए। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि ऐसी बैठके नियमित रूप से आयोजित की जाएगी ताकि विद्यार्थियों के शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास पर निरंतर ध्यान दिया जा सके। इस कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अंजू जैन के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित थे।

आरपीएम कालेज को मिला नैक का 'सी' ग्रेड

चौक शिकारपुर स्थित आरपीएम कालेज

जागरण संवाददाता, पटना सिटी : यूजीसी की गाइडलाइन के तहत राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ने पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के अंतर्गत चौकशिकारपुर स्थित रामेश्वर दास पन्नालाल महिला महाविद्यालय को सी ग्रेड दिया। यूजीसी की तीन सदस्यीय टीम ने 26 व 27 नवंबर को आरपीएम कालेज की व्यवस्था देख मूल्यांकन किया था। नैक से कालेज को पहली बार सी ग्रेड मिलने के बाद प्राचार्या डा. पूनम, आइक्यूएसी को-आर्डिनेटर डा. रजिया नसरीन, नैक कोआर्डिनेटर डा. अंजू जैन व कालेज के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं ने हर्ष व्यक्त करते कहा कि कालेज को सरकारी स्तर पर सुविधाएं मिलेगी। प्राचार्या ने बताया कि कालेज में दूर-दूर से छात्राएं पढ़ने आती हैं। अधिकतर मध्यम वर्ग के परिवार से होती हैं। प्राचार्या ने बताया कि छात्राओं को महाविद्यालय बेहतर सुविधाओं के साथ गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है।

संसाधन कम, फिर भी आरपीएम कॉलेज को नैक से सी ग्रेड मिला

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आरपीएम कॉलेज को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक से (सी) ग्रेड प्राप्त हुआ है। इस कॉलेज ने ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। इस उपलब्धि का श्रेय प्राचार्या प्रोडॉ पूनम के कुशल नेतृत्व और उनके मार्गदर्शन को जाता है। इसमें आईक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर डॉ रजिया नसरीन, नैक को-ऑर्डिनेटर डॉ अंजू जैन और कॉलेज के समर्पित शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्राओं की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। कॉलेज की प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह ग्रेड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनकी प्रतिबद्धता और गुणवत्ता को दशार्ता है। कॉलेज ने नैक से पहली बार ग्रेडिंग प्राप्त की है। प्राचार्या ने बताया कि यदि महाविद्यालय को वित्तीय सहायता और संसाधन समय पर प्राप्त हो जाता, तो कॉलेज और अच्छा ग्रेडिंग प्राप्त कर सकता था। यह केवल एक शुरूआत है और आने वाले वर्षों में गुणवत्ता सुधार के अन्य पहलुओं पर भी कार्य किया जाएगा। कॉलेज की छात्राओं और स्थानीय लोगों ने भी इस सफलता पर गर्व प्रकट किया। प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने बेहतर सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का वादा किया है, जिससे आने वाले समय में कॉलेज अपनी ग्रेडिंग को और बेहतर बना सके। यह उपलब्धि क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। यह ग्रेड कॉलेज की शिक्षा और प्रशासन की गुणवत्ता को नई पहचान देगा।

पढ़ाई के साथ खेलो व मेडल पाओ सरकार नौकरी देने को तैयार

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आरपीएम महाविद्यालय में शनिवार को इंटर महाविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया। इसमें पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के निम्नलिखित महाविद्यालय जेडी विमेंस कॉलेज, एएन कॉलेज, ताइपेंदु इंस्टीट्यूट ऑफ हॉयर स्टडीज, आरपीएम कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। खेल का उद्घाटन (अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग विजेता) दीपाली नंदीके द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर नितिन राठौड़ (अंतरराष्ट्रीय टग ऑफ वार विजेता) मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोडॉ पूनम ने की। अपने संबोधन में कार्यक्रम की उद्घाटनकर्ता दीपाली नंदी ने कहा कि खेलकूद में भाग लेने के लिए छात्रों को बिहार सरकार प्राथमिकता दे रही है। कारण कि सरकार का नारा है मेडल लाओ और नौकरी पाओ। छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नितिन राठौड़ ने कहा कि यह बहुत दुख की बात है कि हमारा बिहार राज्य स्पोर्टस में काफी पीछे है हम सभी का दायित्व है कि बच्चों को प्रोत्साहित करें एवं स्पोर्टस में उन्हें आगे करें। स्पोर्टस के महत्व को समझाते हुए, खेलकूद में अपना भविष्य कैसे बनाएं, मार्गदर्शन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य ने ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए पहली सीढ़ी महाविद्यालय का कैंपस है। आप अपनी प्रतिभा को निखार सकती हैं। पढ़ाई के साथ खेलकूद बहुत ही जरूरी है। खेल से व्यक्ति में अनुशासन और सहयोग की भावना विकसित होती है। जीवन में स्वस्थ और एक्टिव रहने के लिए खेलना जरूरी है। उन्होंने छात्राओं को दिल से खेलने की अपील की। पूरे कार्यक्रम का आयोजन क्रीड़ा प्रभारी डॉ ईना बहन एवं उनकी टीम डॉ सीमा, डॉ सत्येंद्र कुमार, डॉ अमोल कुमार एवं डॉ दशरथ मंडल ने किया। मंच संचालन डॉ रविंद्र कुमार ने किया। खेल के दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ गणेश महतो उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेल के लिए खेल विश्वविद्यालय का निर्माण किया गया है, जहां बच्चे खेल के माध्यम से जीवन में सफलता हासिल कर सकते हैं और अनुशासन शील हो सकते हैं। जीवन में अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण है और यह अनुशासन खेल से ही पाया जा सकता है।। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच कड़ा और रोमांचक मुकाबला हुआ। लड़कों के श्रेणी में टीम विजेता विनर ताइपेंदु इंस्टिट्यूट ऑफ हॉयर एजुकेशन तथा रनर एएन कॉलेज रहा। लड़कियों के श्रेणी में टीम विजेता जेडी विमेंस कॉलेज तथा रनर आरपीएम कॉलेज रहा। लड़कों की श्रेणी में एकल विजेता अंकित कुमार (ताइपेंदु इंस्टिट्यूट ऑफ हॉयर एजुकेशन) तथा रनर शुभम सुप्रियो रॉय (ताइपेंदु इंस्टिट्यूट ऑफ हॉयर एजुकेशन), तृतीय स्थान मिथेन कुमार, चतुर्थ स्थान प्रशांत कुमार, पंचम स्थान रोशन राज। लड़कियों की श्रेणी में एकल विजेता आंचल कुमारी, रनर अदिति कुमारी, तृतीय स्थान निक्की कुमारी, चतुर्थ स्थान रिहाना रॉय, पंचम स्थान नेहा कुमारी का रहा।

आज
गौरव शाली परंपरा का १०२ वां वर्ष

इंटर महाविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन

पटनासिटी (आससे)। चौक शिकारपुर स्थित आर.पी.एम. महाविद्यालय में शनिवार को इंटर महाविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के जे. डी. विमेंस कॉलेज, ए. एन. कॉलेज, ताइपेंदु इंस्टीट्यू ऑफ हॉयर स्ट्डीज, आर. पी. एम.कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

खेल का उद्घाटन दीपाली नंदी (अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग विजेता) के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर नितिन राठौड़ (अंतरराष्ट्रीय टग ऑफ वार विजेता) शामिल रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ) पूनम ने की जबकि मंच संचालन डॉ रविंद्र कुमार ने किया। खेल के दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पे पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. गणेश महतो उपस्थित रहे। लड़कियों के श्रेणी में टीम विजेता जे. डी. विमेंस कॉलेज व रनर आर.पी. एम. कॉलेज रही। लड़कों की श्रेणी में एकल विजेता अंकित कुमार (ताइपेंदु इंस्टिट्यूट ऑफ हॉयर एजुकेशन) व रनर शुभम सुप्रियो रॉय (ताइपेंदु इंस्टिट्यूट ऑफ हॉयर एजुकेशन), तृतीय स्थान मिथेन कुमार, चतुर्थ स्थान प्रशांत कुमार, पंचम स्थान रोशन राज रहीं। लड़कियों की श्रेणी में एकल विजेता आंचल कुमारी, रनर अदिति कुमारी, तृतीय स्थान निक्की कुमारी, चतुर्थ स्थान रिहाना रॉय, पंचम स्थान नेहा कुमारी।इस प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. गणेश महतो के द्वारा प्रतिभागियों के बीच कप, मैडल एवं सर्टिफिकेट वितरित कर किया।

RAJSHREE GOLDEN

19.10.2024

Draw Time	Rajshree	Golden	Mainstar
8.00	26	34	69

आरपीएम कॉलेज में पेरेंट्स टीचर मीटिंग का हुआ आयोजन

पटना। आर.पी.एम कॉलेज में बुधवार को शिक्षकों और अभिभावकों के बीच बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा करना और उनके समग्र विकास के लिए अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम का संचालन क्दअउ कोऑर्डिनेटर डॉ. रजिया नसरीन के द्वारा किया गया। बैठक की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने की। उन्होंने अभिभावकों का स्वागत करते हुए उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि छात्राओं को मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं जैसे निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण, जूडो कराटे, हेल्थ चेकअप, आपदा प्रबंधन, जिम, कथक-नृत्य एवं पेंटिंग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में अभिभावकों और शिक्षकों का संयुक्त प्रयास बेहद आवश्यक है।

शिक्षकों ने इस दौरान विद्यार्थियों की कक्षाओं में उपस्थिति, उनकी परीक्षा परिणाम और अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अभिभावकों से यह अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें और उन्हें सकारात्मक माहौल प्रदान करें ताकि वे अच्छे प्रदर्शन कर सकें।

अभिभावकों ने भी अपनी चिंताओं और सुझावों को शिक्षकों के साथ साझा किया। कई अभिभावकों ने विद्यार्थियों के प्रगति के लिए कॉलेज द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की और सहयोग का वादा किया। इस अवसर पर धर्मेंद्र कुमार, सुरेश प्रसाद, अभय कुमार राय, शिवजी पांडे, नीतू देवी, जितेंद्र मिश्रा आदि अभिभावकों ने अपने विचार साझा किए।

बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि ऐसी बैठके नियमित रूप से आयोजित की जाएगी ताकि विद्यार्थियों के शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास पर निरंतर ध्यान दिया जा सके। इस कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अंजू जैन के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित थे।

पटना सिटी. राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने चौकशिकारपुर स्थित रामेश्वर दास पन्ना लाल महिला कॉलेज को सी ग्रेड दिया है. प्राचार्या प्रो डॉ पूनम ने बताया कि बीते माह नैक की टीम यहां आयी थी. कॉलेज को पहली बार नैक ग्रेडिंग प्राप्त हुआ है. प्राचार्या ने कहा कि सी ग्रेड प्राप्त होना एक बड़ी उपलब्धि है, जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हमारी प्रतिबद्धता और गुणवत्ता को दर्शाता है. प्राचार्या ने कहा कि उनके नेतृत्व में आइक्यूएसी कॉऑर्डिनेटर डॉ रजिया नसरीन व नैक कॉऑर्डिनेटर डॉ अंजू जैन ने शिक्षक, कर्मी व विद्यार्थियों के साथ तैयारी की थी.

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यापन परिषद नेक से आरपीएम कॉलेज को मिली सी ग्रेड के उपलब्धि

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। आर.पी.एम. कॉलेज में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक से (सी) ग्रेड प्राप्त कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। ये उपलब्धि प्राचार्या डॉ. पूनम के कुशल नेतृत्व और उनके मार्गदर्शन में क्दअउ को-ऑर्डिनेटर डॉ.रजिया नसरीन, नैक को-ऑर्डिनेटर डॉ. अंजू जैन और कॉलेज के समर्पित शिक्षको,कर्मचारी एवं छात्राओं की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह ग्रेड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनकी प्रतिबद्धता और गुणवत्ता को दशार्ता है। कॉलेज ने नैक से पहली बार ग्रेडिंग प्राप्त की है। प्राचार्या ने बताया यदि महाविद्यालय को वित्तीय सहायता और संसाधन समय पर प्राप्त हो जाते तो कॉलेज और अच्छा ग्रेडिंग प्राप्त कर सकता था।यह केवल एक शुरूआत है और आने वाले वर्षों में गुणवत्ता सुधार के अन्य पहलुओं पर भी कार्य किया जाएगा। कॉलेज की छात्राओं और स्थानीय समुदाय ने भी इस सफलता पर गर्व प्रकट किया। प्राचार्या प्रो. डॉ.पूनम ने बेहतर सुविधाएं और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने का वादा किया है, जिससे आने वाले समय में कॉलेज अपनी ग्रेडिंग को और बेहतर बना सके ये उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। यह ग्रेड कॉलेज की शिक्षा और प्रशासन की गुणवत्ता को नई पहचान देगा।

नैक मूल्यांकन में आरपीएम कॉलेज को मिला सी ग्रेड

पटना सिटी. राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने चौकशिकारपुर स्थित रामेश्वर दास पन्ना लाल महिला कॉलेज को सी ग्रेड दिया है. प्राचार्या प्रो डॉ पूनम ने बताया कि बीते माह नैक की टीम यहां आयी थी. कॉलेज को पहली बार नैक ग्रेडिंग प्राप्त हुआ है. प्राचार्या ने कहा कि सी ग्रेड प्राप्त होना एक बड़ी उपलब्धि है, जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हमारी प्रतिबद्धता और गुणवत्ता को दर्शाता है. प्राचार्या ने कहा कि उनके नेतृत्व में आइक्यूएसी कॉऑर्डिनेटर डॉ रजिया नसरीन व नैक कॉऑर्डिनेटर डॉ अंजू जैन ने शिक्षक, कर्मी व विद्यार्थियों के साथ तैयारी की थी.